

*m01

श्री अजय मिश्रा टेनी (स्वीटी) : मेरा लोक सभा क्षेत्र खेड़ी (उत्तर प्रदेश) वनाच्छादित तथा कई नदियों से घिरा है। यहाँ बहुत से ऐसे गाँव हैं जहाँ रास्तों, शिक्षा, चिकित्सा व बिजली की व्यवस्था नहीं है। इसी क्षेत्र में किशनपुर, कोंपटोंडा, ग्लूट नं० 1, एलनगंज बंगाली कालोनी आदि राजस्व ग्राम जो भीरा क्षेत्र की पतिया तहसील में स्थित हैं जिनकी सम्मिलित आबादी बीस हजार के करीब है। इस क्षेत्र के लोग आजादी के 68 वर्षों बाद भी गुलामी झेल रहे हैं।

वन विभाग के लोग यहाँ के लोगों से गुलामों जैसा व्यवहार करते हैं तथा विकास की सभी योजनाएं केवल इस कारण रोक दी जाती हैं कि यह वन क्षेत्र है। एक तरफ सरकार सभी गाँवों को सड़कों से जोड़ने, विद्युतीकरण, शिक्षा व चिकित्सीय सुविधाओं सहित शुद्ध पेयजल व रोजगार उपलब्ध कराने हेतु प्रयास कर रही है, वहीं इस क्षेत्र के लोगों को अपनी कृषि उपज गन्ने आदि ले जाने से लेकर शादी-ब्याह व रोगी को ले जाने हेतु एक हजार छः सौ (1600) रुपये की पर्ती कटानी पड़ती है। विद्युतीकरण के विषय में कहा जा रहा है कि बिना वन विभाग की अनापत्ति के विद्युतीकरण नहीं हो सकता। कोंपटोंडा आदि में आवश्यक सुविधाएं न होने के कारण आने वाली पीढ़ी भी अविकसित रह जायेगी जिससे क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि उक्त गाँवों को सड़कों से जोड़ने, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, रोजगार की उचित व्यवस्था के साथ-साथ सड़कों का निर्माण व विद्युतीकरण करवा जाए।